सृजनात्मकता (Creativity)

सृजनात्मकता मनुष्य की वह मानसिक क्षमता है जिसके द्वारा वह **नए (novel), मौलिक (original) और उपयोगी (useful)** विचारों, वस्तुओं या समाधानों का निर्माण करता है। यह केवल कला या साहित्य तक सीमित नहीं है, बल्कि विज्ञान, शिक्षा, प्रबंधन, तकनीक और दैनिक जीवन की समस्याओं के समाधान में भी दिखाई देती है।

---

1. सृजनात्मकता का स्वरूप / प्रकृति (Nature of Creativity)

सृजनात्मकता की प्रकृति को निम्न बिंदुओं में समझा जा सकता है:

(1) नवीनता (Novelty)

सृजनात्मक विचार साधारण या दोहराए गए नहीं होते, बल्कि उनमें कुछ नया तत्व होता है।

(2) मौलिकता (Originality)

विचार व्यक्ति के अपने होते हैं। वे दूसरों की नकल मात्र नहीं होते।

(3) उपयोगिता (Utility)

केवल नया होना पर्याप्त नहीं है; वह विचार उपयोगी भी होना चाहिए।

(4) लचीलापन (Flexibility)

सृजनात्मक व्यक्ति एक ही समस्या को कई दृष्टिकोणों से देख सकता है।

(5) प्रवाह (Fluency)

बहुत अधिक संख्या में विचार उत्पन्न करने की क्षमता।

(6) विस्तार (Elaboration)

किसी विचार को विस्तार देकर उसे पूर्ण रूप देना।

(7) समस्या समाधान से संबंध

सृजनात्मकता जटिल समस्याओं के नए समाधान खोजने में सहायक होती है।

(8) सार्वभौमिकता

सृजनात्मकता केवल प्रतिभाशाली व्यक्तियों तक सीमित नहीं है; हर व्यक्ति में किसी न किसी स्तर पर यह क्षमता होती है।

---

2. सृजनात्मकता की अवस्थाएँ (Stages of Creativity)

सृजनात्मक प्रक्रिया को सामान्यतः चार अवस्थाओं में समझाया जाता है। यह मॉडल सबसे पहले **Graham Wallas** ने प्रस्तुत किया था।

(1) तैयारी (Preparation)

इस अवस्था में व्यक्ति समस्या को समझता है, जानकारी एकत्र करता है और विषय का अध्ययन करता है। यह चरण सचेत प्रयास (conscious effort) का होता है।

(2) उद्भवन (Incubation)

व्यक्ति समस्या से कुछ समय के लिए हट जाता है।
बाहरी रूप से वह उस पर काम नहीं कर रहा होता, लेकिन अवचेतन स्तर पर मानसिक प्रक्रिया चलती रहती है।

(3) आलोकन / अंतर्दृष्टि (Illumination)

अचानक समाधान या नया विचार मन में आता है।
इसे "आहा अनुभव" (Aha Experience) भी कहते हैं।

(4) सत्यापन (Verification)

व्यक्ति अपने विचार की जाँच करता है कि वह व्यावहारिक और उपयोगी है या नहीं।
इस चरण में तर्क और विश्लेषण का प्रयोग होता है।

---

3. सृजनात्मकता के कारक (Factors of Creativity)

सृजनात्मकता कई प्रकार के कारकों से प्रभावित होती है:

(A) बौद्धिक कारक (Intellectual Factors)

1. **बुद्धि (Intelligence)**
   सामान्य बुद्धि सृजनात्मकता में सहायक होती है, लेकिन अत्यधिक बुद्धि हमेशा उच्च सृजनात्मकता की गारंटी नहीं देती।
2. **विचारों का प्रवाह (Fluency)**
   अधिक विचार उत्पन्न करने की क्षमता।
3. **लचीलापन (Flexibility)**
   अलग-अलग दृष्टिकोण अपनाने की क्षमता।
4. **मौलिकता (Originality)**
   अनोखे विचार उत्पन्न करने की क्षमता।

(B) व्यक्तित्व संबंधी कारक (Personality Factors)

1. जिज्ञासा (Curiosity)
2. स्वतंत्र सोच (Independent thinking)
3. जोखिम उठाने की प्रवृत्ति (Risk-taking)
4. आत्मविश्वास (Self-confidence)
5. दृढ़ता (Persistence)

सृजनात्मक व्यक्ति प्रायः परंपरागत सोच से हटकर सोचते हैं।

(C) प्रेरणा (Motivation)

1. **आंतरिक प्रेरणा (Intrinsic Motivation)**
   जब व्यक्ति किसी कार्य को अपने आनंद और रुचि के लिए करता है, तब सृजनात्मकता अधिक होती है।

2. **बाह्य प्रेरणा (Extrinsic Motivation)**
   पुरस्कार, अंक या प्रशंसा भी भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन अत्यधिक दबाव सृजनात्मकता को कम कर सकता है।

(D) पर्यावरणीय कारक (Environmental Factors)

1. स्वतंत्र वातावरण
2. प्रोत्साहन
3. खुली चर्चा
4. असफलता को स्वीकार करने का अवसर

दमनकारी या अत्यधिक नियंत्रित वातावरण सृजनात्मकता को बाधित कर सकता है।

(E) भावनात्मक कारक (Emotional Factors)

- सकारात्मक भावनाएँ सृजनात्मक सोच को बढ़ाती हैं।
- अत्यधिक तनाव या भय सृजनात्मकता को घटा सकता है।